Care concern

that evolves a pleasant journey called life.





Annual Report 2005-2006



(A Government of India undertaking)

H.O. Dr. Pattabhi Bhavan, 5-9-11, Saifabad, Hyderabad - 500 004 www.andhrabank-india.com / www.andhrabank.in

Much more to do, with YOU in focus.



(A Government of India undertaking)

Much more to do, with YOU in focus.



श्री के. रामकृष्णन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक **Sri K. Ramakrishnan** Chairman & Managing Director



श्री कल्याण मुखर्नी कार्यपालक निदेशक Sri Kalyan Mukherjee Executive Director



श्री राकेश सिंह भारत सरकार नामिती निदेशक Sri Rakesh Singh Gol Nominee Director



श्री ए.पी.होता भारिबैंक नामिती निदेशक **Sri A.P. Hota** RBI Nominee Director



श्री के.वी. सुब्बय्या निदेशक Sri K.V. Subbaiah



श्री बी.एस.आर.मोहन रेड्डी निदेशक Sri B.S.R.Mohan Reddy



डॉ. के. अंजनप्पा निदेशक **Dr. K. Anjanappa** Director



श्री वी.एच. रामकृष्णन निदेशक **Sri V.H. Ramakrishnan** Director



श्री एस. पद्मकुमार निदेशक Sri S. Padmakumar Director



श्री प्रेम प्रकाश पारीक निदेशक Sri Prem Prakash Pareek Director



श्री सुनील कुमार माहेश्वरी निदेशक Sri Sunil Kumar Maheshwari Director



माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्री पी.चिदम्बरम एटीएम मोबाइल को झंडा दिखाते हुए Hon'ble Union Finance Minister, Shri P. Chidambaram is seen flagging off a Bank's ATMobile Van



माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्री पी.चिदम्बरम और श्री के रामकृष्णन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एटीएम मोबाइल का अवलोकन करते हुए Hon'ble Union Finance Minister, Shri P. Chidambaram and Shri K. Ramakrishnan, CMD having a look inside the ATMobile Van



विषय सूची/CONTENTS

	c	
•	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से $/$ From the Chairman & Managing Director	3
•	वार्षिक साधारण बैठक की सूचना/Notice of Annual General Meeting	5
•	निदेशकों की रिपोर्ट/Directors' Report	7
•	प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण / Management Discussion and Analysis	27
	कापोरेट गवर्नेन्स/Corporate Governance	49
	तुलन पत्र/Balance Sheet	80
•	लाभ व हानि लेखा/Profit and Loss Account	81
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ / Significant Accounting Policies	91
	लेखों पर टिप्पणियाँ/Notes on Accounts	95
	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	117
	नकदी प्राप्ति विवरण/Cash Flow Statement	119
	प्रगति का विहंगावलोकन/Our Progress at a Glance	121
	मुख्य निष्पादन अनुपात/Key Performance Ratios	123
	विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण /	
	Abridged Financial Statements in Foreign Currency	125
	शाखाओं का वर्गीकरण - समृहवार - जनसंख्या /	
	Classification of Branches - Population Group Wise	126
	अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण - आन्ध्रा बैंक फाईनैंशियल सर्विसे <mark>स लिमिटेड</mark>	
	Financial Statements of Subsidiary - Andhra Bank Financial Services Limited	128
	आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण	
	Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its subsidiary	161

लेखा परीक्षक Auditors

एम. आर. नारायण एण्ड कंपनी, चेन्नै M.R.Narain & Co, Chennai चतुर्वेदी एंड शाह, मुंबई Chaturvedi & Shah, Mumbai एस.आर.बी एंड एसोसियेट्स, भुबनेश्वर SRB & Associates, Bhubaneswar एस.सी.वासुदेवा एंड को., नई दिल्ली S.C. Vasudeva & Co., New Delhi सुनील के. गुप्ता एंड एसोसियेट्स, नई दिल्ली Sunil K. Gupta & Associates, New Delhi

रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट

Registrar & Share Transfer Agent मेसर्स एमसीएस लि.

(यूनिट : आन्ध्रा बैंक)

हार्मोनी हाउस, प्रथम तल, सेक्टर -1, खंदा कालोनि, न्यू पनवेल (पश्चिम)

जिला: रायगड, महाराष्ट्र, पिन: 410 206.

M/s MCS Ltd., (Unit: Andhra Bank)

"Harmony House", 1st Floor, Sector-1

Khanda Colony, New Panvel (W) Dist.: Raigarh, Maharashtra, PIN: 410 206.





९९०,दारशरू,०५ आन्ध्रा बैंक Анонга Ванк



प्रिय शेयरधारक.

सर्वप्रथम मैं बैंक के फॉलो-आन सार्वजनिक निर्गम को अत्यंत सफल बनाने के लिए आप लोगों को धन्यवाद देता हूँ. मुझे जानकारी देते हुए प्रसन्तता है कि वित्तीय वर्ष 2005-2006 के लिए बैंक का व्यापार रु. 56000 करोड़ के मीलपत्थर को पार कर गया है. बैंक ने ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं के बीच बाजार ताकतों द्वारा दी गयी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है. विगत कई तिमाहियों से बैंक की राजकोषीय आय में कमी ब्याज दर साइकल में अपटर्न एवं

बाँड प्रतिफल में सख्ती आने की वजह से है. संसाधन की लागत में बढोत्तरी की वजह से निवल ब्याज मार्जिन पर दबाव है. फिर भी, सुदृढ़ कार्पोरेट मूल्यों एवं सेवा की उच्च गुणवत्ता के कारण, आपके बैंक ने अपने व्यापार में अच्छी प्रगति की है, जो पणधारियों के लिए लाभकारी है. वित्तीय वर्ष 2004-2005 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2005-06 के कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें निम्न प्रकार हैं.

- कुल व्यवसाय 24.08% वृद्धि दर दर्ज करते हुए 2004-05 का रु. 45,461
 करोड का व्यापार रू. 56,406 करोड तक बढ गया.
- कुल जमा 23.13% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 27,551 करोड़ से रु. 33,922 करोड तक बढ गया.
- अल्प लागत जमाराशियाँ 23.68% वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु 9,959 करोड़
 से रु. 12,317 करोड़ तक बढ़ गयी.
- ब्याज दर साइकल में अपटर्न के बावजूद जमाराशि की लागत पिछले वर्ष की तरह
 4.86% तक रही है.
- बैंक का सकल बैंक ऋण 25.54% वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 17,910 करोड़ से रु. 22,484 करोड तक बढ गया.
- **•** ऋण जमा अनुपात 65.18% से 66.69% तक बढ़ गया.
- अर्जित आस्ति पर आधारित निवल ब्याज मार्जिन 3.32% रहा.
- कोर परिचालनों से ब्याजेतर आय रु. 367.84 करोड़ से रु. 387.23 करोड़ तक बढ गया.
- बैंक का कोर परिचालन लाभ (निवेश की बिक्री पर लाभ को छोड़कर) 14.96%
 वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 698.27 करोड़ तक बढ़ गया.
- निवल लाभ पिछले वर्ष के रु. 520.10 करोड़ की तुलना में रु. 485.50 करोड़ रहा.
- सकल अग्रिम को सकल एनपीए का अनुपात 2.46% से 1.94% तक कम हो गरा
- निवल अग्रिम को अनुपात का निवल एनपीए अनुपात 0.28% से 0.24% तक कम हो गया है.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.11% से 14.00% तक बढ़ गया.
- औसत आस्ति पर प्रतिफल 1.38% रहा.
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ रु. 3.69 लाख रहा.
- प्रति कर्मचारी व्यापार रु. 346.25 लाख से रु. 426.75 लाख बढ़ गया.
- बैंक की निवल संपत्ति रु. 1837 करोड से रु. 2894 करोड तक बढ गया.
- ग्राहक आधार 14.40 मिलियन तक बढ गया.

वित्तीय वर्ष 06 के दौरान, बैंक ने लगभग 1000 शाखाओं में एनी ब्रांच बैिंकंग एवं चयनित शाखाओं में सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक सातों दिन बैंकिंग मल्टी सिटी चेक्क 'डीमेट खाता' 'मोबाइल एटीएमह सेवाओं का प्रारंभ जैसी सुविधाओं का विस्तार किया है. हम सामान्य दर से 0.5% की कम दर पर महिला को शैक्षिक ऋण एवं महिला को एसएमई ऋण प्रदान कर रहे हैं. शाखा विस्तार के रुख को जारी रखते हुए, वित्तीय वर्ष 06 में 45 शाखाएँ, 61 एटीएम और 9 विस्तार काउंटर खोलने के द्वारा 21 राज्यें एवं 2 संघशासित क्षेत्रों में डेलिवरी चैनल 1764 तक पहुँच गये. 2 शाखाओं को विशेषीकृत व्यक्तिगत बैंकिंग शाखाओं के रूप में परिवर्तित किये गये हैं

जब कि 16 विशेषीकृत एसएमई शाखाएँ हैं. आपके बैंक ने भारिबैंक के मार्गदर्शन के अनुसार फाइनैंशियल इंक्लूजन के उद्देश्य को प्राप्त करने प्रयास प्रारंभ कर दिये हैं. बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को वित्तपोषण करने विभिन्न लक्ष्यों को पार किया है. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र एवं कृषि को प्रत्यक्ष वित्त क्रमशः 40.28% एवं 18.34% रहे. वर्ष के दौरान बैंक ने फसल उत्पादन ऋण खाते 7.27 लाख से 8.57 लाख तक बढ़ाये हैं जिसके द्वारा 34% वृद्धि दर दर्ज करते हुए फसल उत्पादन ऋण रु. 1392 करोड़ से रु. 1866 करोड़ तक बढ़ गये हैं. बैंक ने 91,820 स्वयं सहायक समूह को वित्तपोषण किया है एवं इन समूहों को बकाया ऋण रु. 331.22 करोड़ रहा है. अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण 32.82% वर्षानुवर्ष वृद्धि के साथ रु. 2743 करोड़ से रु. 3643 करोड़ तक बढ़ गया है. बैंक का रिटेल ऋण 35.94% की बड़ी वृद्धि के साथ रु. 3715 करोड़ से रु. 5050 करोड़ तक बढ़ गया है. आवास ऋण 29.71% वृद्धि के द्वारा रु. 2436 करोड़ तक बढ़ गये हैं.

मुझे आपको जानकारी देते हुए प्रसन्तता होती है कि आपका बैंक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है. 2003-04 में ही शाखाओं के शत प्रतिशत कम्प्यूटरीकरण के पश्चात् आपके बैंक ने व्यापार के 92.58% कवर करते हुए 1000 बिजनेस यूनिट यानी कि 889 शाखाएँ, 98 विस्तार काउंटर एवं 13 सेवा केंद्रों को क्लस्टर आधारित कोर बैंकिंग सोल्यूशन से कनेक्ट किया. इन सभी शाखाओं एवं विस्तार काउंटरों में एनी ब्रांच बैंकिंगट की सुविधा दी जा रही है.

जोखिम प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए, ऋण डेलिवरी सिस्टम को सुदृढ़ करने की दृष्टि से बैंक विद्यमान ऋण मंजूरीद एवं ऋण निगरानी एवं समीक्षाद विभागों के अतिरिक्त अलग से, ऋण अनुमोदनद विभाग खोला गया है. अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन बैंक की मुख्य रणनीति रही है. सकल अग्रिम 1.94% के साथ रु. 436.91 करोड़ तक रहे हैं जब कि निवल एनपीए 0.24% से कम रहे हैं. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान बैंक ने एसएमई क्षेत्र में ओटीएस योजना के अंतर्गत रु. 3.57 करोड़ की वसूली की है.

बैंक का कार्यनिष्पादन 3 लाख शेयरधारकों से अधिक के समर्थन एवं विश्वास की प्रतीक है. मैं 14028 निष्ठापूर्ण एवं प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों के कार्यदल की प्रशंसा करता हूँ जो हमारे सभी उपलब्धियों के दोहदकारी रहे हैं.

बैंक को विभिन्न मापदंडों में कार्यनिष्पादन के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं. लंदन की प्रतिष्ठित मासिक वित्तीय जर्नल दि बैंकर ने पूंजी पर प्रतिफल में एशिया में उत्तम बैंक का रेंक दिया है. बिजनेस स्टेंडर्ड वार्षिक बैंकिंग सर्वे 2004-05 ने हमें भारत में परिचालित 76 सार्वजनिक, निजी एवं विदेशी बैंकों में प्रथम स्थान दिया है. हाल ही एनी ब्रांच बैंकिंग के अंतर्गत प्रौद्योगिकी पहल के लिए बैंक को फिनटेक एशिया 2006 अवार्ड से सम्मानित किया गया है. भारतीय सनदी लेखाकर संस्थान (आईसीएआई) ने बैंकिंग, बीमा एवं वित्तीय संस्थानों की श्रेणी के अंतर्गत वर्ष 2004-2005 के प्रकाशित लेखों की वित्तीय रिपोर्टिंग में श्रेष्ठता के लिए हमारे बैंक को रजत शील्ड प्रदान किया है. आईसीएआई से अवार्ड प्राप्त करने वाला आपका बैंक एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है.

हाल ही शेयर प्रीमियम समेत जुटायी गयी नयी ईक्विटी पूंजी से बैंक की निवल संपत्ति में 57.54% बढोत्तरी द्वारा रु. 1837 करोड़ से रु. 2894 करोड़ तक बढाने में सहायता मिली है. नयी पूंजी के जुट जाने के बाद से पूंजी पर्याप्तता मानदंड को पूरा करने के साथ साथ 31.03.2007 से बेसल II मानदंड के कार्यान्वयन में मदद मिलेगी. प्रति शेयर बही मूल्य रु. 45.93 से रु. 59.67 तक बढ़ गया है. निदेशक मंडल ने वर्ष 2005-06 के लिए 35% लाभांश की घोषणा की है.

आपका बैंक लगातार नये अवसर की पहचान करने, निर्धारण करने, सृजन करने एवं उन्हें वास्तविकता में रूपांतरित करने के लिए प्रयास कर रहा है. इस प्रयास में, मैं उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ आन्ध्रा बैंक के सभी लोगों के संग शामिल होता हूँ एवं बैंक के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आपके लगातार समर्थन एवं प्रोत्साहन चाहता हूँ. शभेच्छाओं सहित.

आपका, (के. रामकृष्णन) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक





Dear Shareholder,

At the outset, I thank you for making Follow-on Public Issue of the Bank an overwhelming success. I am happy to inform that your Bank's Business has crossed the milestone of Rs.56000 crore during the Financial Year 2005-2006. Your Bank could also successfully face the challenges posed by the market forces amidst heightened expectations of the Clientele. The upturn in the interest rate cycle and hardening of bond yields during past several quarters have been the cause for decline in treasury profit of the banks. Net Interest Margins are also under strain due to rise in cost of

resources. Nevertheless, driven by strong Corporate Value and high quality service, your Bank has responded well with robust growth in Business and in a manner which is beneficial to all Stakeholders. The highlights of the performance of the Bank in FY 2005-06 as compared to FY 2004-05 are given hereunder:

- Total Business increased to Rs.56,406 crore from Rs.45,461 crore in 2004-05, registering a growth rate of 24.08%.
- Total Deposits increased to Rs.33,922 crore from Rs.27551 crore, registering a growth rate of 23.13%.
- Low Cost Deposits increased to Rs.12,317 crore from Rs.9,959 crore, registering a growth rate of 23.68%.
- Cost of Deposits contained at 4.86% as in the previous year, despite upturn in interest rate cycle.
- Gross Bank Credit of the Bank increased to Rs.22,484 crore from Rs.17,910 crore, registering a growth rate of 25.54%.
- Credit Deposit Ratio increased to 66.69% from 65.18%.
- Net Interest Margin based on Earning Assets stood at 3.32%.
- Non-Interest Income from Core Operations increased to Rs.387.23 crore from Rs.367.84 crore.
- Core Operating Profit (excluding Profit on sale of Investments) of the Bank increased to Rs.698.27 crore, recording a growth rate of 14.96%.
- Net Profit stood at Rs.485.50 crore compared to Rs.520.10 crore in the previous year.
- Gross NPAs to Gross Advances Ratio declined to 1.94% from 2.46%.
- Net NPAs to Net Advances Ratio declined to 0.24% from 0.28%.
- Capital Adequacy Ratio increased to 14.00% from 12.11%.
- Return on Assets stood at 1.38%
- Net Profit per Employee stood at Rs.3.69 lakh.
- Business per Employee increased to Rs. 426.75 lakh from Rs.346.25 lakh.
- Net Worth of the Bank increased to Rs.2894 crore from Rs.1837 crore.
- Clientele Base increased to 14.40 million.

During FY 06, the Bank has taken many initiatives to improve Customer Service like extending 'Any Branch Banking' to about 1000 Branches, '8 a.m. to 8 p.m.' and 'Seven Day' Banking at select Branches, introduction of facilities like 'Multi-City Cheques', 'Demat Accounts' and 'Mobile ATM' services. We have been extending Educational Loans and SME Loans to Women at 0.5% less than the general rate. Continuing the trend of Branch Expansion, 45 Branches, 61 ATMs and 9 Extension Counters were opened during FY 06, thereby taking number of Delivery Channels to 1764, spread over 21 States and 2 Union Territories. 2 Branches have been converted into Specialised Personal Banking Branches while 16 are Specialised

SME Branches. Your Bank has also initiated efforts to achieve the objective of "Financial Inclusion", as per the guidelines of the RBI.

Bank has surpassed various targets in financing to Priority Sector. Advances to Priority Sector and Direct Agriculture stood at 40.28% and 18.34% of Net Bank Credit respectively. During the year, the Bank increased the Crop Production Loan Accounts from 7.27 lakh to 8.57 lakh, thereby the outstanding Crop Production Loans increased from Rs.1392 crore to Rs.1866 crore, registering a growth rate of 34%. Bank has also extended finance to 91,820 Self Help Groups (SHGs) and the outstanding Credit to these Groups stood at Rs.331.22 crore. Credit extended to Other Priority Sectors increased to Rs.3643 crore from Rs.2743 crore, a year-on-year growth rate of 32.82%. The Retail Lending of the Bank increased to Rs.5050 crore from Rs.3715 crore in the previous year, registering a robust growth rate of 35.94%. Housing Loans increased by 29.71% to Rs.2436 crore.

It gives me great pleasure in informing that your Bank is forging ahead in the Technology arena. After cent percent computerisation of Branches in 2003-04 itself, the Bank has now connected 1000 Business Units, viz., 889 Branches, 98 Extension Counters and 13 Service Centres to Cluster Based Core Banking Solution, covering 92.58% of the Business. 'Any Branch Banking' convenience is being provided to customers at all these Branches and Extension Counters.

To strengthen the Credit Delivery System keeping in view the Risk Management, Bank has set up an exclusive Department for 'Credit Approval' besides existing 'Credit Sanction' and 'Credit Monitoring & Review' Departments. Management of Non-Performing Assets has been the core strategy of the Bank. Gross NPAs could be curtailed at Rs.436.91 crore, forming only 1.94% of Gross Advances while Net NPAs are also lower at 0.24%. During FY 06, Bank has made recovery of Rs.3.57 crore under OTS Scheme for SME Sector.

The performance of the Bank is reflective of support and confidence of more than 3 lakh Shareholders. I must also place on record my sincere appreciation for the dedicated and committed workforce of 14028 Staff Members who have always been instrumental in all our achievements.

The Bank has received several Awards and recognition from National and International Agencies for its performance on various parameters. The prestigious Monthly Finance Magazine, 'The Banker', London ranked us 'The Best Bank in Asia' in 'Return on Capital'. Business Standard Annual Banking Survey, 2004-05 placed us as the 'Number 1 Bank' amongst 76 Public, Private and Foreign Banks operating in India. Recently, FINTECH Asia 2006 Award was given to the Bank for its technology initiatives under 'Any Branch Banking'. The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) has also awarded the Bank the "Silver Shield" under the category of Banking, Insurance and Financial Institutions, given for excellence in financial reporting in published accounts for the year, 2004-05. Your Bank is the only Public Sector Bank to receive such an Award from ICAI.

The recently raised fresh equity capital including share premium has contributed to increase in Net Worth of the Bank by 57.54 % to Rs.2894 crore from Rs.1837 crore. The infusion of fresh Capital would also help in the Bank's preparedness in meeting the capital adequacy norms while implementing Basel II norms with effect from 31.03.2007. The Book Value per Share increased from Rs.45.93 to Rs.59.67. The Board of Directors of the Bank has declared a dividend of 35% for the year 2005-06.

Your Bank continuously seeks to identify, assess and create new opportunities and translate them into realities. In this endeavour, I join the rank and file of Andhra Bank with enthusiasm and commitment and also look forward to your continued support and encouragement in the fulfillment of objectives of the Bank.

With warm wishes,

Yours Sincerely,

(K. Ramakrishnan) Chairman & Managing Director



ASOVE OF India Undertaking

प्र.काः डा.पट्टाभि भवनं, 5-9-11, सैफाबाद, हैदराबाद- 500 004.

सुचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक के शेयरधारकों की छठवीं वार्षिक साधारण बैठक बुधवार, 28 जून, 2006 के सुबह 10.30 बजे शिल्पकला वेदिका, शिल्पारामम, क्राफ्ट विलेज, हाइटेक सिटी के पास, मादापुर, हैदराबाद - 500 081 में निम्निलखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी . 31 मार्च 2006 को बैंक का तुलन पत्र, 31 मार्च 2006 वर्ष की समाप्ति को लाभ एवं हानि लेखा, लेखा द्वारा कवर की गयी अवधि हेतु बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलनपत्र एवं लेखा पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट .

हैदराबाद 29.4.2006 टिप्पणियाँ:

1.परोक्षी की नियक्ति :

बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं एवं ऐसा परोक्षी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. परोक्षी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व यानी 23.06.2006 तक बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा / दर्ज हो जानी चाहिए .ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जाएगा , जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो .

2. प्रतिनिधि की नियुक्ति :

कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.

3. उपस्थिति पत्रक सह प्रवेश पास :

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. परोक्षी / प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर परोक्षी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें .

4. लाभांश:

वर्ष 2005 - 2006 के लिए बैंक ने 35 प्रतिशत अंतिम लाभांश घोषित किया एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 15 मई 2006 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 26 मई 2006 को अदा किया जाएगा.

5. नेशनल सेक्यूरिटीस डिपाजिटरी लि.व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसस (ई) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना : बैंक ने निर्गमकर्ता कंपनी के रूप में अपने शेयरों को डीमेटीरियलैजेशन के लिए नेशनल सेक्यूरिटीस डिपाजिटरी लि. (एनएसडीएल) व सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसस (ई) लि. (सीडीएसएल) से करार किया है. डीमेटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के ज़िरए हमारे रिजस्ट्रार

निदेशक मंडल के आदेश से के .रामकृष्णन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम.सी.एस लिमिटेड, मुंबई को भेजना है.

- 6. लाभांश के लिए बैंक का आवेदन पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस): निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा बैंक ने उन शेयरधारको को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केन्द्रों में हैं : मुंबई नई दिल्ली , कोलकता ,चेन्नै , अहमदाबाद ,बेंगलूर , हैदराबाद , नागपुर ,चंडीगढ़ एवं तिरुवनंतपुरम
- 7. पन्नों का समेकन : शेयरधारक , जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखे हैं, से अनुरोध है कि वे रिजस्टर व अंतरण एजेन्ट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सिर्टिफिकेट के साथ भेज दें तािक बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सिर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे .
- 8. अंतरण के लिए जमा करना : शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रिजस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेन्ट को निम्न पते पर भेजा जाए : मेसर्स एमसीएस लि. (यूनिट : आन्ध्रा बैंक), हार्मोनी हाउस, प्रथम तल, सेक्टर -1, खंदा कालोनि, न्यू पनवेल (पश्चिम), जिला: रायगड, महाराष्ट्र, पिन: 410 206.
- 9. शेयरधारकों से अनुरोध: क) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियां वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अतः शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ. ख) सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार कूपन नहीं बांटे जाएंगे. ग) शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग / ब्रीफकेस / टेप रिकार्डर/ केमेरा आदि अपने साथ न लाएं क्योंकि ये वस्तुएं सुरक्षा जांच के अधीन हैं. इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमित भी नहीं दी जा सकती है.

नोट: बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो केवल कार्यसूची की मद के संबंध में वे अपने सुझाव शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा कक्ष को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के 15 दिन पहले प्राप्त हों.





Head Office: Dr. Pattabhi Bhavan, 5-9-11, Saifabad, Hyderabad – 500 004

NOTICE

Notice is hereby given that the Sixth Annual General Meeting of the shareholders of Andhra Bank will be held at ShilpaKala Vedika, Shilparamam, Crafts Village, near Hitech-City, Madhapur, Hyderabad-500 081, on Wednesday, the 28th June, 2006, at 10.30 A.M. to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2006, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2006, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

MUMBAI Dt: 29-04-2006 (K.Ramakrishnan)

Chairman & Managing Director

Notes

1. Appointment of proxy:

The shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a shareholder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be deposited / lodged at the Head Office of the Bank atleast four days before the date of the meeting, i.e. latest by 23.06.2006. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorised representative or a proxy.

2. Appointment of a representative:

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.

3. Attendance slip cum entry pass:

For the convenience of the members, Attendance Slip is enclosed to this Report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein and handover the Attendance Slip cum Entry Pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as Proxy or Representative as the case may be.

4. Dividend:

The Bank has declared a final dividend of 35% for the year 2005-2006 and the dividend shall be paid on 26th May, 2006 to the shareholders whose names appeared in the Register of Shareholders as on 15th May, 2006.

Holding Bank shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited:

The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer Company for Dematerialisation of Bank's Shares. Request for Dematerialisation may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents, M/s. MCS Limited, Mumbai.

6. Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service (ECS):

In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following Centres:

Mumbai, New Delhi, Kolkata, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Nagpur, Chandigarh and Thiruvananthapuram.

7. Consolidation of Folios:

The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.

8. Lodgement for Transfers

Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

M/s MCS Ltd., (Unit: Andhra Bank)
"Harmony House",
1st Floor, Sector-1
Khanda Colony, New Panvel (W)
Dist.: Raigarh, Maharashtra, PIN: 410 206.

9. Request to shareholders

- (a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an Economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.
- (b) Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.
- (c) Shareholders are advised to avoid bringing bags / brief cases / tape recorders / cameras, etc., as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

NOTE:

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarifications, etc., at the Annual General Meeting, relating to the item of agenda only may send their suggestions. Queries, etc. so as to reach the Shares Division & Investors Services Cell at Head Office of the Bank atleast 15 days before the date of meeting.



निदेशकों की रिपोर्ट

31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलनपत्र एवं लाभ एवं हानि लेखा समेत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बैंक के निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता है.

बृहत् आर्थिक परिदृश्य

विक्तीय वर्ष 2005-06 (एफवाई 06) के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढोत्तरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है. भारतीय रिजर्व बैंक ने कृषि आउटपुट में वृद्धि एवं औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र में जारी गति के कारण अपने विक्तीय वर्ष के वार्षिक नीति विवरण में तृतीय तिमाही की समीक्षा के दौरान 7.5-8.0 प्रतिशत के रेंज में रियल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान लगाया है. यह ऊर्ध्वमुखी संशोधन फरवरी 2006 में जारी केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) के विक्तीय वर्ष 06 के दौरान पिछले वर्ष (2004-05) के 7.5% से 8.1% अग्रिम अनुमान के अनुरूप है.

वर्ष का बडा भाग 5 प्रतिशत से कम मुद्रा स्फीति का रहा है. यह 5.7% से शुरु हुआ और मार्च 2006 के अंत तक 4% पर बंद हुआ. अर्थव्यवस्था में चलनिधि की मुद्रास्फीति जोखिम के दृष्टिगत, एवं कच्चे तेल की चढ़ती कीमतों के संभावित असर के कारण, भारिबैंक ने जनवरी 24, 2006 से चलनिधि समायोजन सुविधा के तहत फिक्स्ड रिवर्स रिपो रेट को 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत तक 25 बेसिस प्वायंट बढाया है एवं रिपो रेट एवं रिवर्स रिपो रेट के बीच स्प्रेड को 100 बेसिस प्वायंट रखा गया. तदनुसार परिवर्तित रिपो रेट 6.50 प्रतिशत था.

मुखर डबल डिजिट निर्यात वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता और शेष दुनिया से भारतीय निर्यातों की बढ़ती मात्र को प्रतिबिंबित करता है. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान यूएस डॉलर टर्म्स में 24.7 प्रतिशत से समग्र निर्यात बढ़ा है एवं संदर्भाधीन अविध के दौरान आयात ने भी 31.5% वृद्धि दर दर्ज की है.

भारत के विदेशी मुद्रा रिजर्व (सोना, स्पेशल ड्राइंग राइट एवं आईएमएफ में रिजर्व स्थिति मिलाकर) बढ़ने की प्रवृत्ति जारी रही एवं वित्त वर्ष 05 के दौरान यूएसडॉलर 28.5 बिलियन बढोतरी की तुलना में, यूएस डॉलर 10.12 बिलियन की वृद्धि दर्शाते हुए मार्च 2005 के अंत तक यूएस डॉलर 141.50 बिलियन से मार्च 31, 2006 को यूएस डॉलर 151.62 बिलियन का स्तर पहुँचा है. दिसम्बर 2005 के दौरान 5.6 बिलियन यूएस डॉलर की गिरावट, इंडिया मिलेनियम डिपाजिट के रिडेम्शन के जिरए विदेशी मुद्रा के भुगतान के कारण है.

राजकोषीय फ्रंट में, वित्तीय वर्ष 06 के लिए केंद्रीय सरकार के संशोधित अनुमान राजकोषीय स्थिति में कुछ सुधार सूचित करते हैं. गैर योजना व्यय एवं गैर रक्षा पूंजी परिव्यय बजट अनुमान की तुलना में प्रमुख घाटा सूचक कम हो सके हैं. रु. 91,821 करोड़ का राजस्व घाटा या जीडीपी का 2.6 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 06 के बजट अनुमानों में जीडीपी के 2.7 प्रतिशत से कम रहा है. यह कर राजस्व में कुछ बढोत्तरी द्वारा एवं ब्याज भुगतान, राज्यों को अनुदान एवं सिब्सडी जैसे गैर योजना व्यय की कई मदों में वृद्धि में रोक के कारण संभव हुआ है. राजस्व घाटे में कमी द्वारा, पूंजी परिव्यय में कमी

द्वारा एवं विनिवेश आगमराशि की उपलब्धता के जिरए अनुमानित 4.3 प्रतिशत जीडीपी के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2006 के लिए संशोधित सकल राजकोषीय घाटा 4.1 प्रतिशत के साथ 5.1,46,175 करोड़ रहा है.

राज्य वित्त के हाल ही के निर्देशक कुछ सुधरा परिदृश्य प्रस्तुत करते हैं, इस प्रगित को बनाये रखने और संतुलन को वांछित स्तर पर रखने के लिए राजकोषीय हास के कारणात्मक पहलुओं का निवारण करना चाहिए. इनमें से कुछ हैं, ब्याज के भुगतान का बढता बोझ, पेंशन देयताएँ, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की हानियां, उचित यूजर चार्ज की कमी एवं कर में उत्प्रफुल्लता की कमी. वित्तीय वर्ष 06 में राज्य सरकारों ने निवल आधार पर रु. 15,455 करोड़ एवं सकल आधार पर रु. 21,729 करोड़ के ऋण लिए हैं तो भी (मार्केट स्टेबिलाईजेशन स्कीम के अंतर्गत जारी बांड समेत) और राज्यों की सरकारी प्रतिभृतियों का संयुक्त जारी (निवल) मात्र रु.74,344 करोड रहा. इसके कारण, रु.36,481 करोड की एमएसएस प्रतिभृतियों का अनवाइन्डिंग करना है, जबिक वर्ष 2004-05 में रु.1,45,510 करोड और 2003-04 में रु.1,35,192 करोड थे. यह नोट करने योग्य है कि वित्तीय वर्ष 06 में केंद्र एवं राज्य के कुल निवल इश्युएंस पिछले सात वर्ष में निम्नतर स्तर पर रहा है.

25 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा सफलतापूर्वक मूल्यवर्धित कर लागू करने के जिरए एवं दसवें वित्त आयोग के अंतर्गत राज्य स्तरीय राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन विधान पारित करने के द्वारा प्रोत्साहन, राज्य स्तरीय सुधारों द्वारा राजकोषीय सुधार के आधार और राज्यों में उनकी निरंतरता जारी रही.

वित्तीय क्षेत्र परिदृश्य

वित्तीय वर्ष 06 के दौरान मौद्रिक गतिविधि बैंक ऋण में भारी वृद्धि, एस एल आर प्रतिभूतियों के परिमाण में कमी, विदेशी मुद्रा रिजर्व कीं वृद्धि में मंदी एवं उच्चतर अतर्राष्ट्रीय माल एवं कच्चे तेल की कीमतें एवं घरेलू मुद्रास्फीति पर प्रभाव की प्रत्याशा के कारण एवं दिसम्बर 2005 के अंत में इंडिया मिलेनियम डिपाजिट के रिडेम्शन से जुड़ी रही है. समय पर उचित उपायों के कारण सिस्टम में चलनिधि एवं ब्याज दरें भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि उत्प्रेरित करती रही हैं.

वित्तीय वर्ष 06 के दौरान 14.5 प्रतिशत अनुमानित वृद्धि के विरुद्ध मुद्रा आपूर्ति (ब्राड मनी -एम 3) में 20.4 प्रतिशत (रु. 4,58,456 करोड़) की वृद्धि रही है एवं वित्तीय संस्था का बैंक के रूप में कन्वर्शन की स्थिति कम करने के द्वारा पिछले वर्ष में 12.1 प्रतिशत की वास्तिवक वृद्धि रही. ऋण ऑफ-टेक में बढोत्तरी के द्वारा वित्तीय वर्ष 06 के दौरान बैंक का समग्र निष्पादन प्रभावकारी रहा है. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का ऋण पिछले वर्ष में कन्वर्शन को कम करने के द्वारा 27 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में प्रभावकारी 36.0 प्रतिशत (रु. 3,96,045 करोड़) रहा है. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान गैर खाद्येतर ऋण 37.3 प्रतिशत से बढ़ा है (रु.3,95,379 करोड़)जब कि पिछले वर्ष के रु. 5159 करोड़ की वृद्धि के विरुद्ध रु. 667 करोड़ बढ़ा है. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाराशियाँ 22.8 प्रतिशत (रु. 3,87,471 करोड़) बढ़ी हैं. मार्च अंत के प्रभाव को छोड़ वित्तीय वर्ष 06 (अप्रैल 1 2005 पर मार्च 31,2006) के दौरान सकल जमाराशियों में वर्षानुवर्ष वृद्धि 16.9 प्रतिशत (रु. 3,02,534 करोड) रही हैं.



Directors' Report

The Board of Directors has pleasure in presenting the Annual Report of your Bank together with the Audited Balance Sheet as on March 31, 2006 and Profit and Loss Account for the financial year ended March 31, 2006.

MACRO ECONOMIC ENVIRONMENT

Indian Economy maintained impressive growth performance during the financial year 2005-06 (FY 06) despite persistent rise in international crude oil prices. The Reserve Bank of India (RBI) in its Third Quarter Review of the Annual Policy Statement for FY 06 revised upwards the projected real Gross Domestic Product (GDP) growth in FY 06 to be in the range of 7.5-8.0 per cent, based on the assessment of a pick up in agricultural output and the sustained momentum in Industrial and Services Sectors. This upward revision was also in alignment with the Advance Estimates of the Central Statistical Organisation (CSO) released in February 2006 placing real GDP growth during FY 06 at 8.1 per cent, up from 7.5 per cent in the previous year (2004-05).

The inflation rate remained below 5 per cent for major part of the year. It started with 5.7 per cent as on April 2, 2005 and closed at 4.00 per cent at the end of March 2006. Keeping in view the inflationary risks emanating from liquidity overhang in the economy and possible pass-through effect of rising crude oil prices, the RBI, with effect from January 24, 2006 increased the fixed reverse repo rate under the Liquidity Adjustment Facility (LAF) by 25 basis points from 5.25 per cent to 5.50 per cent and kept the spread between repo rate and reverse-repo rate at 100 basis points. Accordingly, the repo rate stood at 6.50 per cent.

The robust double digit export growth reflects India's competitiveness in the International Markets and growing demand for Indian Exports from rest of the World. Overall Exports in US Dollar terms increased by 24.7 per cent during FY 06 and Imports also recorded a growth rate of 31.5 per cent during the reference period.

The rising trend in India's foreign exchange reserves continued (including gold, special drawing rights and reserve position in IMF) and reached a level of USD 151.62 billion as on March 31, 2006 from USD 141.50 billion at the end-March 2005, reflecting an increase of USD 10.12 billion compared to increase of USD 28.5 billion during FY 05. The decline in accretion of reserves is caused by outgo of USD 5.6 billion during December 2005 on account of redemption of India Millennium Deposits.

On the Fiscal Front, the Revised Estimates of the Central Government's Finances for FY 06 indicate some improvement in the Fiscal position. Reduction in Non-Plan Expenditure and Non-Defence Capital Outlay enabled a lowering of the key deficit indicators compared to the Budget Estimates. The Revenue Deficit at Rs.91,821 crore or 2.6 per cent of GDP, was lower than 2.7 per cent of GDP in the Budget Estimates for FY 06. This was possible by some increase in tax revenue and containment of growth in several items of Non-Plan Expenditure like interest payments, grants to States and

Subsidies. The Revised Gross Fiscal Deficit for FY 06 at Rs.1,46,175 crore constituted 4.1 per cent of GDP as against the budgeted 4.3 per cent, contributed by a reduction in the Revenue Deficit, a decline in Capital Outlay and the availability of disinvestment proceeds.

While the most recent indicators of State Finances show a somewhat improved picture, the causative factors of Fiscal deterioration have to be addressed to sustain this progress and keep the balance at the desired level. Some of these are growing burden of interest payment, pension liabilities, losses of State Public Sector Undertakings, lack of proper user charges and lack of buoyancy in taxes. The State Governments raised Rs.15,455 crore on net basis and Rs.21,729 crore on gross basis during FY 06 and the combined issuance (net) of Government Securities of the Centre (including Bonds issued under Market Stabilisation Scheme - MSS) and the States was, however, only Rs.74,344 crore due to the unwinding of MSS Securities to the tune of Rs.36,481 crore as against Rs.1,45,510 crore in 2004-05 and Rs.1,35,192 crore in 2003-04. It is noteworthy that the Aggregate Net Issuance of the Centre and States in FY 06 was at its lowest level in the last seven years.

With the successful introduction of Value-added Tax by 25 States/Union Territories and the incentive under Tenth Finance Commission to enact State-level Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Legislations, the deepening of State-level Reforms contributed to the foundations of Fiscal Reform and their sustainability in the States.

FINANCIAL SECTOR OVERVIEW

Monetary developments during FY 06 have been characterised by rapid increase in Bank Credit, reduction in quantum of SLR Securities, slowdown in accretion of foreign exchange reserves and increase in International commodity and crude oil prices influencing expectations on domestic inflation and the redemption of India Millennium Deposits (IMDs) in end-December 2005. Owing to the timely and appropriate initiatives, the liquidity and interest rates in the System remained stable and continued to catalyse the growth of the Economy.

During FY 06, growth in Money Supply (Broad Money - M3) was 20.4 per cent (Rs.4,58,456 crore) as against the projected growth of 14.5 per cent and actual growth of 12.1 percent in the previous year, net of conversion of a Financial Institution into a Bank. Overall performance of banks during FY 06 remained impressive with improved Credit off-take. Scheduled Commercial Banks' (SCBs) Credit, net of conversion, rose by an impressive 36.0 per cent (Rs.3,96,045 crore) during the year compared to 27 per cent increase in the previous year. Non-Food Credit increased by 37.3 per cent (Rs.3,95,379 crore) during FY 06 while Food Credit increased by Rs.667 crore against an increase of Rs.5159 crore in the previous year. Aggregate Deposits of SCBs increased by 22.8 per cent (Rs.3,87,471 crore) during FY 06. Excluding the end-March effect, the year-on-year increase in Aggregate Deposits during FY 06 (March 31, 2006 over April 1, 2005) was 16.9 per cent (Rs.3,02,534 crore).



भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रा स्फीति में बढोत्तरी के बावजूद बेंचमार्क बैंक दर 6% रखा है. विवेकपूर्ण राजकोषीय एवं मौद्रिक उपायों ने मुद्रास्फीति के साथ साथ सरकारी बांड पर प्रतिफल को नियंत्रित कर रखा है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एक वर्ष से अधिक परिपक्वता की जमाराशियों की ब्याज दरें अप्रैल 2005 में 5.25-6.50 प्रतिशत से मार्च 2006 में 5.75-7.25 प्रतिशत तक बढ़ी हैं. उसी अविध के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं विदेशी बैंकों की बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग दरें क्रमशः 10.25 - 11.25 प्रतिशत और 10.00 -14.50 प्रतिशत रेंज में अपरिवर्तनीय रही हैं. फिर भी निजी क्षेत्र के बैंकों में पिछले वर्ष के 11.00 - 13.50 प्रतिशत की तुलना में 11.00-14.00 प्रतिशत रेंज में रही.

2004-05 में चार बडे ग्लोबल करेंसी के विरुद्ध भारतीय रुपये की बढोत्तरी/ घटोत्तरी की प्रवृत्ति में वित्तीय वर्ष 06 के दौरान कुछ रूप में परिवर्तन देखा गया है. पिछले कुछ वर्ष से यूएस डॉलर कमजोर होने के कारण (मुख्यतया यूएस ट्रेड के विस्तार एवं चालू खाते घाटे के कारण) यूएस डॉलर के विरुद्ध भारतीय रुपया बढा है. यूएस डॉलर के विरुद्ध नाममात्र रूप में मजबूत होने के बावजूद अन्य प्रमुख करेंसियों के विरुद्ध हास हुआ है.

भारतीय स्टॉक मार्केटों ने वित्तीय वर्ष 06 के दौरान बडी अर्थव्यवस्था के स्टॉक को आउटपरफार्म किया है. संदर्भाधीन अविध के दौरान इंडियन बेंचमार्क स्टॉक इंडेक्स - बीएसई सेंसेक्स नई ऊंचाइयों को छुआ है एवं 06.02.2006 को 10,000 मार्क को एवं 21.03.2006 को 11,000 मार्क पार किया है. अन्य उभरते बाजारों की तुलना में घरेलू स्टॉक मार्केट की अस्थिरता अधिक रही है. बीएसई सेंसेक्स अप्रैल 2005 में 6379 से मार्च 2006 में 10,857 तक बढ़ा है. स्टॉक कीमतों में तेजी से वृद्धि घरेलू म्यूच्युअल फंड एवं विदेशी संस्थागत निवेशकों के कारण है जिन्होंने आशान्वित भावनाओं एवं प्रचुर चलनिधि को रेस्पांड किये हैं.

वित्तीय वर्ष 06 भारिबैंक से बडी नीतिगत गतिविधियों में बैंक की मानक आस्तियों में प्रतिभृतिकरण, एनपीए की बिक्री/खरीद, ग्रामीण शाखाओं का ब्लॉक/सेवा क्षेत्र में शिफ्टिंग, कार्पोरेट ऋण पुन:संरचना, शाखा विस्तार के लिए मध्याविध कार्पोरेट योजना रहे हैं. बैंक का प्रत्यक्ष कृषि एवं एसएमई क्षेत्र को ऋण को छोड़ मानक अग्रिमों पर सामान्य प्रावधानन 0.40 प्रतिशत तक बढ़ा है. 1 अक्तूबर 2005 से बैंक ऑफ पंजाब सेंचुरियन बैंक के साथ विलय हुआ है एवं एक तत्कालीन अखिल भारतीय वित्तीय संस्था बैंक के रूप में कन्वर्ट हुआ एवं उसी राजकोष वर्ष के दौरान आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के रूप में नामकरण दिया गया. भारतीय रिजर्व बैंक ने बेसल II मानदंड के अंतर्गत पूंजी पर्याप्तता को सुदृढ़ करने पूंजी बढ़ाने के लिए और अधिक ऑप्शन दिये हैं. इन ऑप्श्नों में से हाइब्रिड पूंजी, प्रिफरेंशियल शेयर हैं. डिस्क्लोजर

मानदंड में नये मार्गदर्शी सिद्धांत बैंकों के तुलनपत्र में उच्चतम पारदर्शिता दिखा सके हैं. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान फाइनैंशियल इन्क्लूजन की संकल्पना एवं इसे प्राप्त करने के लिए भारिबैंक द्वारा बैंकिंग सेवाओं के विस्तार हेतु बिजनेस फेसिलिटेटर एवं करेस्पांडेंट के प्रयोग समेत के संदर्भ में विभिन्न अधिसूचनाओं के जिरए पहल की गयी है.

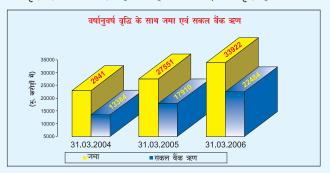
दृष्टिकोण

सेवा क्षेत्र की सतत वृद्धि एवं औद्योगिक वृद्धि के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5-8.0 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है. नियमित मानसून की प्रतीक्षा के साथ कृषि में त्वरित वृद्धि, सामान्य मानसून के अंडर एजम्प्शन ऊर्ध्वमुखी वृद्धि के साथ अनुमानित रेंज में जीडीपी में वृद्धि की आशा है. फिर भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों एवं मानसून के प्रभाव के कारण वृद्धि में कमी हो सकती है. ग्लोबल ब्याज दरों में सख्ती के दृष्टिगत ब्याज दरें फर्म रहने की संभावना है. प्रत्याशित जीडीपी वृद्धि एवं स्टॉक मार्केट में निरंतर वृद्धि के कारण डॉलर इन्फ्लो मजबूत रहने की संभावना है. फिर भी ग्लोबल मानेटरी टाइटेनिंग की जोखिम एवं यूएसए में गतिविधियाँ विदेशी मुद्रा दरों को अस्थिर रख सकती हैं.

नये वित्तीय वर्ष के आगमन से समग्र निधि परिदृश्य में सुधार देखा गया है. वित्तीय वर्ष 06 के दौरान गैर खाद्येतर बैंक ऋण 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के विरुद्ध 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है. फिर भी वर्ष 2006-07 में बैंक की कुल जमाराशियाँ रु. 330000 करोड़ बढ़ने की संभावना है. औद्योगिक चक्र में वृद्धि एवं बैंक ऋण में ऑफ-टेक के द्वारा मांग जमाराशियों में वृद्धि होने की संभावना है. बैंक की जमा दरें वर्ष के दौरान बढने की संभावना है जिससे ब्याज दर संवेदनशील सावधि जमाएँ पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ सकती हैं.

वित्तीय वर्ष 06 के दौरान आन्ध्रा बैंक का कार्यनिष्पादनः मुख्य बातें

- वित्तीय वर्ष 06 के दौरान बैंक का कुल व्यापार रु. 56,000 करोड़ के मील पत्थर को पार किया है. कुल व्यापार 2004-05 के रु. 45,461 करोड़ से रु. 56406 करोड़ तक बढ़ गया जो वित्तीय वर्ष 05 पर 24.08 % की वृद्धि है.
- मार्च 31, 2005 की रु. 27,551 करोड़ की कुल जमाराशियाँ बढ़कर मार्च 31, 2006 को रु. 33922 करोड़ हो गयी हैं जो 23.13% की वृद्धि है.
- 31.03.2005 को रु. 17910 करोड़ के सकल बैंक ऋण बढ़कर 31.03.2006 को रु. 22484 करोड़ हो गये हैं. वर्ष के दौरान अग्निमों में वृद्धि रु. 4574 करोड़ हो गयी है जो 25.54% की वृद्धि है.



- रु. 9,959 करोड की अल्प लागत जमाएँ बढकर रु.12,317 करोड हो गयी हैं, जो 23.68% की वृद्धि है .
- वित्तीय वर्ष 05 के रु. 993 करोड़ परिचालन लाभ की तुलना में रु. 769 करोड़ रहा है .